

21425

50903

50904

50905

50 903 - (विश्वेश्वरी स्तोत्र प्रदीपिका)

50 904 - (पञ्च स्तोत्र) -

(लघु स्तोत्र टीका संग्रह)

50 905 - (आनन्द बहिनी)

५५
 पञ्चमः (लघुस्तव मात्र) श्रीः

पंच

श्रीः २३

ॐ श्री भद्रं कर्णेभिः शृणुयामः ॥ ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
 ॐ भवतु प्रदत्तं कुरु कुरु मङ्गलं कुरु मङ्गलं ॥ ५ ॥
 ॐ भद्रं कर्णेभिः शृणुयामः ॥ ॥ ॐ ददितुं कुरु मङ्गलं ॥
 ॐ भद्रं कर्णेभिः शृणुयामः ॥ ॥ ॐ ददितुं कुरु मङ्गलं ॥
 ॐ भद्रं कर्णेभिः शृणुयामः ॥ ॥ ॐ ददितुं कुरु मङ्गलं ॥
 ॐ भद्रं कर्णेभिः शृणुयामः ॥ ॥ ॐ ददितुं कुरु मङ्गलं ॥
 ॐ भद्रं कर्णेभिः शृणुयामः ॥ ॥ ॐ ददितुं कुरु मङ्गलं ॥
 ॐ भद्रं कर्णेभिः शृणुयामः ॥ ॥ ॐ ददितुं कुरु मङ्गलं ॥

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

ਤਿਸੁ ਧੀਰਾਦ੍ਰਿਧੀ॥੦॥ ਪਖੁਮੈ ਪੁੰਡਰਾਖੁ ਪੁੰਡਰਾਖੁ ਖੁਤੁ ਪਾਇ ਪ੍ਰਗਟੈ ਧੀਰੁ
 ਸੁਖੁ ਕੁ ਮਘੁ ਪਾਪੰਨਰੁ ਕੰਵਲਿ ਛੁਤਾ॥ ਵਿਰਾਮਯੋ ਨਿਤਿ ਮਖਰੁ॥
 ਅਘੰ ਪਾਪੰਨਰੁ ਕੰਵਲਿ ਛੁਤਾ ਕੰਵਲਿ ਛੁਤਾ॥ ਕਿੰ ਵਿਸਿਖੁ ਧੀਰੁ ਧੀਰੁ॥
 ਵਸਨੁ ਤੁਪੰਤੁ ਪ੍ਰਾਪੁ॥ ਅਤੁ ਅਤੁ ਤਿਸੁ ਧੀਰੁ ਨਿਚਰੁ ਸਰੀਰੁ ਤੇ ਲੋਤੁ ਪੁੰਡ
 ਰੁ॥ ਨਿਤੁ ਗੁਰੁ ਆਪੇ ਪੁੰਡਰਾਖੁ ਲੁਕੁ ਪੁੰਡਰਾਖੁ ਸੁਖੁ ਮਖੁ ਪੁੰਡਰਾਖੁ ਸੋਤਿ
 ਤੁਲਯੁ ਤੁਪੰਤੁ ਪੁੰਡਰਾਖੁ ਤੁਪੰਤੁ ਪੁੰਡਰਾਖੁ ਮਸਤਿ ਏਨੇ ਸੁਖੁ ਪਾਪੁ ਛੁਤੁ॥ ਲੁ
 ਕੇ ਅਲਕੁ ਪਰ॥ ਕੁਸੁ ਮਖੁ ਮਖੁ ਅਪੁਤੁ ਕਿਤੁ ਮਖੁ॥ ਲਯੋ ਦਿਲੁ ਰੁਕੁ
 ਮਿਤੁ ਮਖੁ॥ ਕੈ ਕੁ॥ ਕੁਤੇ ਮਿਤਿ: ਪਯੋ ਵਿਸੇਖੁ॥ ਕਿੰ ਕੁਚੀ॥

कृष्टवेष्टमि॥ ऐकृष्टकृष्टमध्विनः सरमभरष्टपत्रपठव॥ कृष्टि
उपीउभिउमिउभाल्लिष्टुपपल्लवल्कं प्रकंक डिमपतीणयंत्री
कषं॥ मष्टेललांललललष्टमष्टे॥ पष्टमष्टेष्टष्टवेडिभुष्ट
विकल्दकमष्टम॥ भवष्टगर्तेपिष्टिडिष्टयष्टकगवष्टलल
एष्टवमीष्टलमः॥ अष्टअमिष्टमिष्टमभुष्टकष्टवष्टगर्विष्ट॥ मष्ट
ष्टष्टमवउष्टमभउष्टकैल्लीउल्लुउपंक डिभउवती॥ विभुष्टयत्री
सुल्लः थष्टगुष्टमुष्टयमेल्ली॥ पष्टमष्टष्टष्टष्टडि॥ मष्ट
मष्टमष्टष्टलममष्टष्टपवलक डिगिष्टुः॥ अष्टअष्टल्लिष्टल्लय

क भले भमदः भिउ भम अद्रि विम भिउ वड भग ॥ उं
 मः अद भुदु तिः क डि विर ॥ ह म ये भ व ल व ल र ग व जी ति भा
 भा व व ड कः ॥ वि से धं उ म्भः भि व ड भ भा व वि से धं उं श्री डि प्र
 र या भ नै सु र भि ॥ व ह डि म प्र उ वि से कं उ ॥ वे ह उ नि प्र ल व पे
 भु डि रि डि ॥ अ ह उ व ड भ नै सु र वि रिः ॥ भ ड भू म य भ वि से ध
 अ क वि उ उ ह मि भ प व प्र क सु उ ॥ य धा ॥ प्र ष भ प म य भु ष भ
 भ ह र उ भु ष भ म ती ए ॥ ए क रः ॥ डि जी ये प रे डि जी य भ ह र ॥ ली
 भि डि ॥ डि जी य प रे डि जी य भ ह र भोः ॥ उ डि ॥ उ म पि द भि उ डि

श्री.
 २२

दकंगेलेपरिभिजुतमिडिद्वेएउभा॥ उरुभेवविमेषं पुरा
 कहुएएयभा॥ दकंगेलेविमराभिजुतमिडिद्वे॥ केलभंउदिद
 कंगेगगरभपुउ॥ सुतंविमरिउकंभविडि॥ द्वेउडिद्वेउ
 यंवीएभिडिभिजुमिडिडिपराभलभइएय॥ एवविमराग
 इव॥ सुमिभंवीएललएयएवल्मीद्वेसुउवल्द्विगीयंइउ
 यद्वेयपीउवल्एयभा॥ किस्सभदभापदेभिडिगिडिविम
 धपिप्लेय॥ भददकंगभकंगुंवउउउडिमदभा॥ गीएइय
 भपिदकंगभकंगभयउभा॥ यषा॥ द्वेद्वेद्वेउएविमेषंए

उष

यः॥ मृतः मवत उहइपिविमेषेभिः॥ मरुमृत उति विरुक्तं पमं॥
मृतं मलल एवतुं मिर भिल्ली करः॥ मरु उति विरुक्तं विमेष
मा॥ मदरु अवतुं उति मरु॥ उकरुत मरु एवः॥ एतं रल्लो
करुणैरुः मिदुः॥ दकरु मकरु मंयैरा म्रपच मवैरुः॥ एतं रल्लो
उति कु एव मं मिदु मा॥ यदु कु मा॥ क उतुव उ कुल क उव
मंयैरा विरुक्तं मिदु कुलं मरु मा॥ मरु ए मंयैरा विरुक्तं मंयैरा
उतु ह मिव एव मा दं॥ उह मय॥ मिदु मरु विमेषः क विदु
मु मल्लैरु विरुक्तं मंयैरा मंयैरा मंयैरा मंयैरा॥ यदिव मरु उति मवि

श्री
२५

ਮਨ:॥ ੨੬ ॥ ਮਲਕੁ ਸਿਮਜਾ ॥ ਮਾ ॥ ਤੇ ੧ ॥ ਭ: ॥ ਭਤਿ ਵਿਮਜੰ ਪਰਮ
ਅਧਾਤੁ ॥ ਯੋਧਮਾ ॥ ਸਥਕਿ ਮੇਖਾ ਸਿਪਰਾ ॥ ਤਤੁ ਸਿਪਰ ਕੇਰੀ ॥ ਯਥ
ਤੁ ਮਛੁ ਸਾਮੁ ਸਿਪਰਾ ਮਛਿ ਸੁੰਦਰ: ॥ ਕੁਤ: ॥ ਫੈਲੈ ਭੁਭ ਮਾਂ ਮਛੁ ਸਿ
ਪਰਾ ਕਰ ਸੰਮਦਤੁ ॥ ਪਰ ਮੁਏਰ ॥ ਮਵਾਤੁ ਯਤੁ ਮਾਨਿ ਏ ਪਾਯਤੁ
ਸਥਾਤੁ ਮਛੁ ਮੁਚੁ ਮਿਸਿਪਰਾ ਯਗ ਮਤੁ ਮਮਾ ॥ ਪਲੁ ਮਛੁ ਸਾਮੁ ਸਿ
ਪਰਾ ਸਿਪਰਾ ਤਿਸੁ ਯਤੁ ॥ ਤਤੁ ਮਾਗਰ ਮਦਿਤੁ ਯਾਸਾ ॥ ਪਤੁ ਤੀਲੁ
ਰੋ ਮਿਪਰਾ ਕੇਰੀ ਯ ਕਥਿਤੁ ਯਥਾ ॥ ਵਾਗੁ ਵਪੁ ਮਵੀ ਏ ਸਿਤੀ ਯ
ਤੁ ਮਮਾ ਯਥਾ ॥ ਕੁਤੀ ਯਗੀ ਏ ਮਛੁ ਤਤੁ ਸਿਮਾ ਮਛੁ ਯਤੁ ॥ ਪਥਾ

देवीमभाष्टात निहृदिप्ररुं रवी॥ उड॥ ध॥ प॥ ध॥ भ॥ भ॥ ल॥ ड॥
 विहृ॥ र॥ भ॥ दिप्ररुं रवी॥ उड॥ ध॥ भि॥ भ॥ भ॥ भ॥ उ॥ भ॥ भ॥ र॥ द॥ व॥ भ॥ उ॥
 ड॥ १॥ ५॥ क॥ ग॥ भ॥ भ॥ भ॥ य॥ ५॥ ए॥ भ॥ न॥ भ॥ ॥ उ॥ ध॥ र॥ प॥ मी॥ य॥ भ॥ दि॥ त॥ य॥ भ॥ उ॥
 वे॥ म॥ ध॥ प॥ उ॥ म॥ भ॥ ध॥ प॥ ग॥ ल॥ ध॥ पि॥ ले॥ ध॥ पि॥ ॥ भि॥ ड॥ उ॥ प॥ ड॥ र॥ इ॥ म॥ र॥ ड॥ उ॥
 ड॥ उ॥ के॥ उ॥ ध॥ ॥ उ॥ भ॥ ड॥ च॥ भ॥ भ॥ ड॥ भ॥ व॥ भ॥ ड॥ क॥ प॥ र॥ भ॥ भ॥ मी॥ ॥ मे॥ व॥ म॥ भ॥ ध॥ म॥
 उ॥ ध॥ भ॥ दि॥ त॥ भ॥ नि॥ ति॥ ॥ भ॥ र॥ गी॥ ड॥ मि॥ ॥ भ॥ ड॥ इ॥ र॥ प॥ व॥ ह॥ मि॥ उ॥ उ॥ ड॥ र॥
 व॥ भ॥ व॥ ॥ वि॥ मे॥ ध॥ भ॥ व॥ ग॥ उ॥ ये॥ ह॥ ण॥ उ॥ गु॥ म॥ व॥ ड॥ उ॥ ॥ उ॥ ड॥ उ॥ ॥ क॥ मि॥ भ॥ ड॥
 ड॥ र॥ के॥ म॥ ड॥ ॥ क॥ मि॥ भ॥ भ॥ र॥ के॥ म॥ ड॥ ॥ क॥ मि॥ भ॥ भ॥ य॥ के॥ म॥ ड॥ ॥ क॥ मि॥ भ॥ भ॥

श्री.
 २०

एनकेमग॥कमिमुडिठेमग॥कमिहुगठेमगुद्रप्रकरेध॥दिप्र
ग॥कमिदिप्रठेगरी॥कमिनिडिदिप्रठेगरी॥कमिदिप्रठेगरी॥
कमिदिप्रललिग॥कमिमपरे॥रअ॥कमिदिप्रवेहुमुउ॥
मचप्रकरेवदलमठगवगी॥रगुगेभ्रममेमउरदेवःमहु
पमः॥रकोलाउरमेयेगीरविहुदिप्रगपरा॥रकातेःपमभंमी
लरमउये॥मेलयः॥रअलाउरमेयेगीरविहुदिप्रगपरा॥
रगउरअमभेगाएरवेमउरमेविणिः॥ररीएउरमभमिउरविहु
दिप्रगपरा॥मचरेप्रमममुप्रपां॥ध॥प्रविमेधउः॥मिहुउपांमद

ॐ श्री भवगापमभसगी॥ शुभु शुभु एपदेमप्र एमभपर एनरुभरि
 यदलपिठं पषरुषमुकेहं एयभा॥ उमदः कल गुरुष॥ १
 एपेरविराभिद्विन्दे मेरविरदलभा॥ १ प्र एयाविराभोएभत्र
 भापरकं कलि॥ १ एपेरविरद्विः नरुमेरविराएयः॥ १ रिया
 वलिउं मेहं भइभापरकं कलि॥ १ यउंरभवमेवगुहमेकउप्रम
 धिउं गुमकिगिति ५ वभवडकः॥ १०॥ भइउनउं वीएउमभद॥
 यभाइइप्रभीलउउवलमउउ डिउिभ्रविनीवगुणीए ५ वमभि
 उउवमभं उं भमदउवयभा॥ १ मजिः कइलिनीति विस्वएनरु

श्री
 + १

ਪਾਗਰ ਕੁੰਡੁ ਮਾ ਏਕੇ ਕੁੰਡੁ ਪਰ: ॥ ਸਤਿ ਨਾਮੁ ਸੀਸੁ ਕੁੰਡੁ ਕੁੰਡੁ ਗ: ॥ ॥
ਹੁੰਦਾ ॥ ਦੋਗੁ ਗਵਤਿ ਤਿ ਪ੍ਰਗਟੁ ਮਤੁ ॥ ਪਰਮਾ ਦਰੁ ਮਚੁ ॥ ॥
ਪ੍ਰਮੀਲਤਾ ਤਤਲ ਮਤੁ ਤੁ ਤਿ ਤਿ ਮਦਿ ਸਿਰੀ ॥ ਧਾਮਾ ॥ ਪ੍ਰਸੰਨ ਮਤੁ ਰਵ ਗੁੰ
ਏ ਮਿਤਾ ਲੇ ਕੁੰ ਪ੍ਰਤਿ ਮਿਤਾ ॥ ਤੰ ਮਾ ਤੰ ਤੰ ਵਧੁ ਕੁੰ ਮਤੁ ॥ ॥ ਪ੍ਰਮੀ
ਲਤਾ ਤਤਲ ਕੁੰ ਲੇ ॥ ਪ੍ਰਾ ਪ੍ਰਾ ਲੇ ਮਿਤਾ ਕੁੰ ਕੁੰ ਕੁੰ ਕੁੰ ਕੁੰ ਕੁੰ ਕੁੰ ਕੁੰ
ਪ੍ਰਾ ਮੁਰਵ: ॥ ਪ੍ਰਾ ਲ ਮਤੁ: ॥ ਪ੍ਰਮਾ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ
ਪ੍ਰਮਾ ॥ ਪ੍ਰਮਾ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ ਤੰ
ਕੁੰ ਕੁੰ ਕੁੰ ਕੁੰ ॥ ਰੰ ਮਾ ਸੀ ਧਾਮਾ ਤੰ ਕੁੰ ਤੰ ਪ੍ਰਮਾ ਤੰ ॥ ਦੋਗੁ ਗਵਤਿ ॥ ਤੰ

ਸ੍ਰੀ

ਤਿਥੁ ਤੁਯੁ ॥ ਬਲੁ ਤੋ ਸ੍ਵਾਗਿਤੁ ਏਏ ਤੁਥੀ ਰਾ ਪਸੁ ਏ ਪ੍ਰਭੁ ਵਾਤਿ ਸਧਮਾ ॥ ੬ ॥
ਨੁ ਮੁ ਮੁ ਮੁ ਮੁ ਕਾਰਿ ਵਸੁ ਮਦਮਾ ਲੇ ਲੇ ॥ ਤਿਥੁ ਫੁ ਤੁਥੀ ਕੁ ਤੁਥੀ ਮੁ
ਪੀਦਵਰਮੇ ਵਿਚੁ ਵਿਰਾ ਮੁ ਫੁ ਗਮਾ ॥ ਤੁਥੀ ਪਿੰ ਪ੍ਰਵ ਮੁ ਵਦੇ ਵਿਤੁ ਰਮਾ ਲੁ ਤੁ
ਰਵਾ ਤੁ ਗੁਦਵਾ ਮੁ ਮੁ ਤਿ ਮੁ ਪਾ ਮੁ ਵਰ ਮੁ ਮੋ ਰਿਦ ਤਿਰ ਕੁ ਬਲੁ ॥ ॥
ਦੇਵਰਮੇ ॥ ਮੋ ਰਿਲਿਖਿਤੁ ਵਰਮਾ ਮੁ ਫਿਲੁ ॥ ੭ ॥ ਏਦ ਏ ਗਤਿ ਮੁ ਮੁ ਮੁ ਕੁ
ਰਿ ਮੁ ਸ੍ਵਦਕੁ ਰਿਵਸੁ ਪਸੁ ਤੁ ਮਦਮਾ ॥ ਕੁ ਮੁ ਤੁ ਮੁ ਮੁ ਵਿਲੇਟੁ ॥ ਏਨੁ ਕੁ
ਰਾ ਪਿੰ ਪ੍ਰਮੁ ਮੋ ਮੁ ਕੁ ਤੁ ਵਰਮਾ ਮੁ ਪ੍ਰਿਯਵਰਮਾ ਮੁ ਪਿੰ ॥ ਚੇ ਚੇ ॥ ਤਿਥੁ ਰਿਚੁ ਵਿ
ਰਾ ਪਿੰ ਬਰ ਬਾਗੁ ਵਲਿਤੁ ਮੁ ਫੁ ਗੁ ਫੁ ਤੁ ਮੁ ਸ੍ਵਾਗਿਤੁ ॥ ਤੁਥੀ ਪਿੰ ਲੇ ਲੇ ॥ ੮ ॥

५॥ भाद्र विंशत गाल मम उल दगि पगि प' कपे मल' वा' ॥ विल' मः
५॥ मग' ती' डि क' ठ' ऊः ॥ द्वि' ती' य' ती' ए' द' र' ए' म' रा' उं' ती' ए' उ' म' द' ॥ उं
य' त्रि' डे' उ' व' क' म' रा' ए' म' प' र' म' इ' द' र' र'ि' क' ल' उ' म' र' म' इ' व' ति' वि
ग' ल' क' सि' डि' प' सि' रु' वि ॥ सु' ए' र' प' ति' प' व' म' इ' उ' प' म' य' क'ी' उ' य' उं
द्वि' एः ५॥ म' म' ५॥ व' म' म' ५॥ यि' उं' ती' इ' म' र' ति' म' ट' म' ॥ ॥ ॥ द'
वि' डे' म' क' ल' क' ल' क' ल' य' म' पि' म' म' उ' म' उ' प' ठ' ग' व' ति ॥ य' उ' व'
ठ' ग' व' ट' ॥ म' प' र' द्वि' ती' यं' म' इ' द' र' क' म' रा' ए' क' म' रा' ए' र' म' र' ए'
नी' क' र' उ' प' ॥ उ' म' पि' कि' उ' प' रि' क' ल' उ' म' क' टि' ए' य' उ' म' र' ए' म' र' म'

ॐ भिडि॥ इवि पावे छं कश्चिमेव विरलै वणे विमहा लुवे डि विरली
उ विमथय डि॥ प्रमिद्रु वी ए भपि विरलै ररा गी डि कष न क व रि म
भ कु उ म॥ विक्कलं निज उ क क प ल क र द्वा रं उ रं उ डि भिद्रु मा॥ अ
प्रपमि डि म प्रप ग उ रं द भ प्र य ह न रं ए य म॥ रं म सं म री ए द
ग विरल प व वे डि॥ य उ॥ म उ प्र ए य उ मु रः म द म प्र म प डि उ॥ व
ऊ म उ म द म प्र म उ रु व डि व प र उ डि व म रा ग॥ अ मु र द्वा रं मु
ऊ प क म द॥ सु ए प मि डि॥ य म इ द्वा रं प्र डि प व अ म वं मु यं
व॥ म उ उ प म र म व द्वा रं ग ए रं म प्र उ की ड य उ॥ कष य उ म म

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



भनभद्वज्ञाणभिक्तप्रभ॥ अष्टौचोपिभगवत्प्रीभनगउंएहृभुवि
केडयेगोअवगिरिवउतेभनियउंयेगंदिगभिदिमः॥॥॥उतीये
इतीयेभिक्तप्रभमसंकुणवलंद्वज्ञीएंप्रचविमिपुंअंउपंअदरभ
भि॥यज्ञीएंप्रचडिक॥वमनपाटववपेअमउंयेःमहृमपु
प्रहवंउहृमलुमहृहृयभा॥ एककपिइप्ररहृइतीयेगीएंप्र
मुहृहृउंमहृमममममममिहृउ॥यदिवाअदभिडिनविहृउंदक
रेयउंउमददक॥दिउंमोउति॥उउमपिममंगीएंप्रयभा॥य
इउभा॥गीएंप्रदि॥क॥अंअमयममममविउभा॥उउममममम

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

श्रीः

विरुचयिगपिपुडुचिन्नडीति॥ ठवेममपुद्वारिभरभुतरीएडु
मल्लनभद्रपदकमिडियुकेटयः॥ पतुडुवभुपकभाद्र॥ गोमिउ
मसगिरिवकुं वडुउ॥ भुनेमपमयम्वेवएकुभाविधोगिरि॥ वि
रयकएलेनेउगैमचः परिकीडिउ डहनककुवमराग॥ भगैमचः
यगएनंविनमिहिमः॥ उतउपरिहवमिहरे॥ डमभोरिडिनीएक
रंवीगएवकुभमएपादिप्रियंविनापिठलडीहवडिहएणं
यभा॥ अमिचमकुयेपिपकभंवरनीएपमभुजमिडिपोरमकुभास
दभा॥ यः॥ अकुवपीहइमविमनंभरगभिकनीएभिउगइमचि॥

श्रीः
प

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

॥ ५ ॥ वेमेषः पट्टदः ॥ किं विमिषुवी एं महस्रं वृस्रं ॥ भदवृस्रं
 ॥ नवउउमहस्रं ॥ नविहउउहस्रं यउउमहस्रं मा ॥ केवल
 ॥ मयं ॥ उउः ममदगद्वः ॥ ममहस्रं भल'भ यउपमहस्रं मा
 ॥ पल्लं ॥ उउिरी एपमनि ॥ पउउपिगदहउपा नि ॥ यमदहि
 ॥ पगः ॥ मिवधुभं केवल मा मिरी एभं कंठगष्टा धूमवी एभउग ॥ प
 ॥ मिवउं कषिउ दिवल्भहउ विहउ गुमवउग ॥ उष' कुटमुं म
 ॥ उक' ॥ मयंग एं वी एं यष ॥ द्रै' द्रु' द्रु' ॥ भदकै र्है' मः ॥ पउ' क' उ' ग'
 ॥ मर' मर' नक' दुरै' मइलि ॥ वि' व' उ' म' प' रि' व' उ' क' उ' उ' प' उ' उ'

५४

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

ਪ੍ਰਕ੍ਰਿਤਿ ਮੇਲਿ ਤੁਰਵੇਗਾ॥ ਠੇਕੇ ਸੀ ਪ੍ਰਮਾਣਿ ਤੁਰਾ ਪ੍ਰਵਾਸੈ ਸਿਰੇ ਤੇ
ਤੁਲ ਪ੍ਰਵਾਸੈ॥ ਮੇਰੇ ਸਾਧੂ ਕਲਮ ਤੁਰਿ ਵਿਵਿਛਿਤ੍ਰੁ ਸੁਤ॥ ਪ੍ਰਮਾਣਿ ਤੇ
ਕਿਉ ਕਰਮ ਬੁਝੁ ਮਧਿ॥ ਪ੍ਰਕਾਸਿ ਤੁਰ ਮਧਿ॥ ਧਰਮ ਕਰਮੇ ਗ੍ਰੀਯਾ ਕਰਮੇ
ਪ੍ਰਤੀਤੀਯਾ ਕਰਮੇ॥ ਬੁਝੁ ਮਧਿ ਕਰਮੇ ਪ੍ਰਤੀਤੀਯਾ ਕਰਮੇ॥ ਵਾਕ ਮਧਿ ਪ੍ਰਤੀਤੀਯਾ
ਗ੍ਰੀਯਾ ਕਰਮੇ॥ ਵਾਕ ਮਧਿ ਪ੍ਰਤੀਤੀਯਾ ਕਰਮੇ॥ ਵਾਕ ਮਧਿ ਪ੍ਰਤੀਤੀਯਾ ਕਰਮੇ॥
ਵਾਕ ਮਧਿ॥ ਧਰਮ ਕਰਮੇ ਪ੍ਰਤੀਤੀਯਾ ਕਰਮੇ॥ ਸੁਭੰਗੀਯਾ ਮਧਿ ਮਧਿ ਮਧਿ ਮਧਿ ਮਧਿ॥
ਧਰਮ ਪ੍ਰਤੀਤੀਯਾ ਕਰਮੇ॥ ਧਰਮ ਕਰਮੇ ਪ੍ਰਤੀਤੀਯਾ ਕਰਮੇ॥ ਧਰਮ ਕਰਮੇ ਪ੍ਰਤੀਤੀਯਾ
ਕਰਮੇ॥ ਸੁਭੰਗੀਯਾ ਮਧਿ ਮਧਿ ਮਧਿ ਮਧਿ ਮਧਿ॥

का हिंसा पं पा प म ज शी व म क ॥ ये व्रते म च भि ह्री ति ह म ॥ म
प ॥ ल ह वि यो प ड ल नि ड ग जे ह ह य नि ॥ अ उ ए वे जं ॥ यं य क म
म य ह ड ति ॥ ये व द क द यो धि कं मु भ व मि नि ह ड ॥ म य ल म्म ट
म मा ड मि कं ए ड ति प्रै उ प उ यं वी ए नं प्र ठ व ॥ म वे उ म क ली ठ व ॥
उ ॥ उ म ह्मि पु व ड ज ॥ अ व प्र मु उ म य अ उ मि ह्म जं ए य वि ठ ग म य ॥
य म प्र मु क ण रि ॥ म ठ य मं म क म्म ए म ह्मि ल रु जे ह व म म न प म
ल क रं व प्र ग ज म्म ल म ॥ उ ह्म म्म वृ ण प ड क उ र य र मि गू प्र ठ ॥
न कि नो वि म म्म र मी ल य ति म न म्म उ यं क वि डं जं उ ॥ ॥ व म्म द मु

व प्रकृष्टं विन्नीवि जी येम वा भ करे ॥ अरु यम मं च ए वि रु यम ॥
गदां ॥ उषा म दि ॥ पा ॥ भ द द भ र ए पा प म ल न व ड ड यं उ म ॥
वि जी ये म म दि ॥ करे वा म न प म ल क रं क वि रु व ल द्वा व ठ व ह म
व म न द ल लि उं ॥ प म भ म उ म प्र ध प व ल डं दे म म दे म डः ॥ दे प्र
म प म न म मि उ सु ड न मी ल य ति न ग प य ति ॥ उं पं उ डः क वि रु व ड
म म प दि ॥ दि क वि रु म डि रि ति ॥ प म भ म व वि म प य न ॥ उ ड
मं ति ॥ उ ड / म वि क मि उं य म व र ए क म ल उ ड प इ उ ड क उं सु रु ड
गु ॥ व ल य र इ रु यो म वि ध म प्र य प्र क क ति सु य सु न क

ॐ वंमालेभ ॥ प्रमत्रमृषुभिडिप्रममठिभापीठवलि ॥ यदु
 कं ममभापिमनिंहीठफलणवलंापम ॥ सिउभ ॥ कठिभ्रभ्रभि
 लाउगउभ ॥ भ्रमिमियादे ॥ उतिमउकुएव ॥ कगवउः प्रभुकठयम
 गदाभालवरमवउगुकरउयुजभा ॥ पवंकुठगवठीक विहभिकु
 येष्टेतिवडकः ॥ निरङ्गमवक्रादमऊयेविमेषेपमेमभाय ॥ ॥ येडा
 थाङ्ग ॥ प्रङ्गीकपटलभ्रभ्रकिगमप्रठंमिष्टगीभभउद्वैरिवमिमे
 राय ॥ उतिभ्रविभ्रिउभा ॥ भ्रम्रउंविक्कटभ्रपटङ्गपमविदातिवङ्कवे
 एउपं ॥ कठिभ्रगीभ्रमभ्रिक्कलैललैलमिठि ॥ ॥ देठगतिपाङ्गप

श्री
 पृ
 ५९

श्री.
५३

ॐ॥ वा॥ म॥ ए॥ न॥ ट॥ म॥ न॥ मः॥ एक॥ ग॥ मि॥ त्तः॥ ॐ॥ भं॥ त्त॥ मि॥ त्तः॥ प्र॥ ह्नु॥ पि॥ दि॥
ॐ॥ प॥ ह्नु॥ ति॥ पर॥ भ॥ क॥ सं॥ मि॥ त्तः॥ ग॥ ॐ॥ प॥ ल॥ ह्नु॥ पु॥ ह्नु॥ न॥ क॥ ह्नु॥ पु॥ ह्नु॥ वा॥ मि॥
ॐ॥ व॥ ल॥ क॥ य॥ ति॥ उ॥ वी॥ म॥ य॥ व॥ क॥ म॥ प्र॥ भु॥ म॥ य॥ मि॥ ग॥ ल॥ ल॥ क॥ क॥
ॐ॥ व॥ रि॥ क॥ म॥ त्त॥ ग॥ मि॥ व॥ य॥ प्र॥ न॥ ध॥ वा॥ म॥ ए॥ न॥ ट॥ म॥ न॥ म॥ ए॥ य॥ ति॥ म॥ न॥ ट॥ म॥
ॐ॥ न॥ म॥ उ॥ ति॥ प॥ म॥ न॥ क॥ य॥ श॥ पि॥ क॥ म॥ न॥ क॥ म॥ लि॥ त्त॥ ये॥ न॥ प्र॥ ये॥ ह्नु॥ म॥ उ॥ व॥ क॥ मि॥
ॐ॥ क॥ ग॥ मि॥ क॥ न॥ म॥ न॥ म॥ न॥ लो॥ त्तः॥ क॥ म॥ य॥ ति॥ पी॥ ति॥ त्तः॥ इ॥ म॥ त्त॥ ग॥ न॥ व॥ न॥ क॥ म॥
ॐ॥ मः॥ मि॥ ये॥ न॥ यि॥ क॥ व॥ ह्नु॥ क॥ व॥ ति॥ ग॥ ग॥ प॥ न॥ व॥ म॥ ए॥ य॥ ति॥ मी॥ न॥ ग॥ व॥ जी॥ न॥ य॥
ॐ॥ ज॥ ह्नु॥ न॥ म॥ न॥ पि॥ क॥ म॥ प॥ न॥ क॥ ह्नु॥ म॥ न॥ म॥ क॥ ति॥ म॥ ति॥ व॥ ह्नु॥ क॥ ह्नु॥ ति॥ त्तः॥

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

३०

श्रीप्राष्ट्रपुत्रोपेवैत्रतः॥ उषाविष्टाणवद्वचमिउपमःपेगमकुत्तिउ
मरुवकुव॥ मेयंमवेपिप्रभादेमयभुञ्जाम्यभरणपुल्लितिरामुद
पादकमलनमङ्करमंजुतःप्रठवेयं॥ किलयंरुद्रगणानमन्पुष्ट
भावेपियमभ्यगतेकरानयकभक्तकेटिउटम्यपुष्टपदेउ॥ मनि
स्त्रितंप्रचकष्टेजठगवतीकुपानष्टानमभुवप्रठवातिमयः॥ उतिठ
वः॥ ठगवष्टावनप्रष्टमदष्टमद॥॥ मष्टिद्वष्टाष्टवष्टनविष्ट
विन्नीमलेष्टवष्टष्टष्टककेटिठिःपरिमययेधनरणमष्टः॥
उमभुष्टममरुमापकुलिसमीवष्टमष्टुकिउैलयंउेष्टसिवाकृष्टः

कषाभिराभेणपुठैः पालि ठिः ॥ ॥ ॥ देमडिकेपनेठगरति ॥ वच्चर ॥
 धुएचररुतेउवपायकभलप्रएऊयेधंपुनधा ॥ कगदमुविन्नीम
 नील्लभररुएकककेएठिः विन्नुपइइएनलयकककेः परिम
 यंभभकंरणागुत्रगतः ॥ उधुभंमः मकाकुमसंरुयापजलिमसीव
 मभमुदिठैः एउल्लद ॥ लदिठैरभेणपुठैः ॥ पालि ठिः कभलकेभ
 लैः ॥ एरुपलदिठः पविरीडुएरुः कषभिरएगते ॥ यम्रीदलप
 इकभलएकुगकमिपइठगवंगीरचयति ॥ उकषंयषेडलद ॥ ए
 नैठवीडीइरुः ॥ उइमकेगदमापणनः ॥ जलियंवरुभा ॥ मीवइः मरुव

श्रीः
 ०९

उद्गमयसिद्धभा॥ अङ्गममङ्गमङ्गः प्रसिद्धः॥ एताविमलकाः एति
भातुर्गङ्गाभवेवठवति॥ यद्गङ्गाभदिके॥ पद्मवद्गङ्गासङ्गमङ्गमङ्गम
यभषा॥ पालिपामेसमसुतेयष्टांभोमीपतिः प्रभातिङ्गमिष्टेय
पद्मप्रसमविनवपुङ्गवमभदिके॥ यद्गङ्गमदमेवपुङ्गव॥ प्रणामावि
लङ्गाष्टमभिकदे॥ मभदमः॥ ७ तिनप्रएवलिउंभोएभिउति॥ प्रषम
कष्टेपिठ॥ रसमङ्गीष्टमङ्ग॥ रभपगष्टमठगवङ्गीरैङ्गमङ्ग
पद्मगमितिकष्टाङ्गः॥ प्रएकलभङ्गादेमउद॥ एमिठलमभद॥॥
विष्टः कालिउरैविमसुमिउरैङ्गीष्टमभमवेष्टुमैविष्टिपुगैगप

गभयोभतुह प्रसविते॥ यांयां प्रजयंत भनभिरुगणियंगे भंतपवप्रवं
कुंतमिदिभवाप्रवतिउरमाविप्रैरविप्र्रीकृत॥॥॥ देदेविदिप्रैवि
॥॥ वृद्धः कौलिकुणः कडियाः विम्वैष्टाभुमिउगे॥ सुद्धः प्रभीम
उवळः पगपगकलभयीपगमीरवामीरवभुनभयीदंठगवशी
प्रएविणैप्रसवभगे॥ क्षीगणभमभवेः भतुहमउदगुंरुमं॥ सुद्ध
॥॥ मादिकेकुरमेः प्री॥ यिदप्र्रीतिभजुहेरुद्ध॥ कडियमय
मुगंमगलेरविप्रैरविप्र्रीकृत॥ उपसुवैरगाणितभुनभुंतांभनी
पितवष्टादधिगहृदिकंमिदिभाप्रवतितकते॥ यांयांमिदिभिर

पयं उदं क [पियं उधं द्विस्त्रीं भनः प्रमयते॥ मिडं मिडु यति
उं उं भेव मिडिं लठुं उहज॥ अयं ठवः॥ ये किल धर्मे लमडु केल
वा उं यं उं करं अचमम कयं दभुम इजं मेणं हलं रं पं मं रं संध
लं मयव॥ परिउं द रिडु द रिमरु मी मेव उं उं भे उं मं भुम क
गत्तुः मभ्युष्ट॥ उं मे ए ये ये वं उं उं उं उं उं क उं मं क उं क उं क॥
मेडिया गापा दुदिभा दह दै मे गे ए म अये वा सुहू प इ रिण य उ
प्रतिप्रु भने ल उं उं प्रतिप्रु उं उं उं द मया मिमने ल मपु प्य उं द
गीः दह क द उं भारे ल गत्ता उि उं क न क दिरा उं उं मभ्युष्टि कः प

रिक् चु भट्टे द ॥ भट्टं सुठं वल्द ॥ स द्वा मि कं विम ययतुः ॥ प्र
 द्वा ति पद तं म दि ॥ ठ ग भ म पि क ग्मी रं सुल कं सुल कं य द्वा ति ॥
 ॐ धो श्री ठ ग व ती भ व मि सिं मं पा म य ति ॥ म यि प्र ति प्र म इ ज्ञा यं मा
 भ र्हे ति ल ध तं मा ए सु व द भ ति व द्वा मि भं तं र्हे रि धु मा ॥ य द्वा म
 मि भं म ण त वि श्वे रं म उ द मा म य तु मे मि ति ॥ प्र ति धु ति वि भु ग द्वा
 ध पु न मा पा ए य उ ति य द्वा ॥ ठ ग व द्वा प व भ व व द्वा यं म व त भ य
 द्वा मा ॥ ॥ ॥ म द्वा रं ए र्ही द्वा भ इ उ व न व ग्वा ॥ म र्ही द्वा सु मं द्वा उः क
 म व द्वा भ व प्र ह त य ए वि ठ व ति प्र व मा ॥ ली य त ए प न य इ क ल्य वि

भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं
मे॥॥ देहिपुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं
मिथं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं
मे॥॥ वासवा॥ चमत्तं चमीलेति ह्युतः॥ पुत्रवत् भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं
गुण एव प्राप्नुयानि॥ नृपयथा वा भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं
मिथं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं
भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं
पुत्रवत् भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं भवद्भगवत्पुत्रं

अप्रभापाः॥ ७ मू यभवन् ऊर्वेय विनिचुतिवाद्यीभारभाणञ्च
वभुडः प्रासुठवति॥ ८ गवहः भकसामवेयुडुते॥ अभीद्वक॥ यउ
मभिकुषिकुषिचिपलनमवगीणयागमि॥ उउदेवविपेयकमालि
रामः ७ ठवहठगवहः॥ उषाकल्यविगुर्द्वयकलेतेपिबुद्रमय
रागमयुडिभिडिरमदाभावेवायडठगवहंलीयते॥ यगाउदिम
वमुहमुहणागप्रलयलीलयाउवेवाऊंमंगु॥ भवेपिदिदेवभ
दभासुपुंदाभेवात्रप्रविमति॥ उपभंदगमादमाइंदिपुगकमि
मविचमगीयाअमिहउपमदिमाभुलहाउपापरमाअजिनीय

मे॥ परमामक्तिः कष्टमे॥ नरमजैः पिमिवद्रकवडत्रामेउतु
प्रपिरामः आत्रमिवटतिरिजायाः मजैत्रामः परमाममयड
यडुजभा॥ मिवमतिदिमलावडउतयद्रए॥ उमपके॥ उ
त्रमिकतिमिवायं॥ वि॥ विलउडुउकेडा उतिगाडुजः॥ गहि
रतिरामप्रहयेरमवइयाद्रकवमुगंरुगवडमडुप्रभाद॥ ॥
देवागंतिउयंइयीदुउरुएंसजिइयंरिधगमुउपुंरिपमीरिध
कुगमवेरिद्रवल्मइय॥ यडिस्त्रिगुगतिरिणरियमिउंयउ
रिवनद्रकंउडुचंरिपगेतिरामरुगवडवैतिउउडुउः॥ ॥ देवागं

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

म्रीं केरीणं मेति भल भव वल इयं ॥ उमय व व इयं ॥ प मंदर भाद
ल किं चि मि डि ए गा ति मं भागे ॥ दि व न इ कं पं मं क क भ कु पं य डि डि
ले व व ड भ रं म ग य र व ड र व ड कु ल म ड ल प्य गु रु क णि र के म
न ना मं म ड ह म म ड ग म मि वि वि पं र म डि ण डि किः प्र क गे डि य धि रं
कु प ड य ॥ नि व ड ॥ दे क ग व डि उ ड उः पा म भ उ उः डि प्र गे डि उ ड व र म
ए य भ व डि श व ग म डि ॥ इ य ड क य क ग म भ न डि प्र गे डि र भ उ
न उ डि ॥ य व पी ० इ यं म ड इ यं मे वी इ यं मि ड इ य मि ट मि र डि
उं ग ग डः मं कु पं म व मि म मि डि व ड उः ॥ भा ए प्री उ य क डि वि

मि ड

मोए मझुभा गुरायां ॥ कृष्टमसिपमचरुणिगदमभा ॥ गणकृष्ण
कावले प्रसनिभजेको मङ्गरीभा ॥ कृष्टमसिपमचरुणिगदमभा ॥ विषमभा
ननेनका मङ्गरी मङ्गरी गिगोपचउ मवरीभा ॥ कृष्टमसिपमचरुणिगदमभा ॥
उये मभपभित्त मभदठैगवी ॥ कृष्टमसिपमचरुणिगदमभा ॥ कृष्टमसिपमचरुणिगदमभा ॥
उये प्रवेणल प्रवेणल मभदठैगवी ॥ कृष्टमसिपमचरुणिगदमभा ॥ कृष्टमसिपमचरुणिगदमभा ॥
कृष्टमसिपमचरुणिगदमभा ॥ कृष्टमसिपमचरुणिगदमभा ॥ कृष्टमसिपमचरुणिगदमभा ॥
मभपभित्त मभदठैगवी ॥ कृष्टमसिपमचरुणिगदमभा ॥ कृष्टमसिपमचरुणिगदमभा ॥
उये प्रवेणल प्रवेणल मभदठैगवी ॥ कृष्टमसिपमचरुणिगदमभा ॥ कृष्टमसिपमचरुणिगदमभा ॥

ॐ लिनीरियाभप्रभती कलीकलभा लिनीभउमी विणयाशाया
वतीरेवीमिवसाभवी॥ मतिः मद्रवहलकडिनयरावास्व
गद हीकरीतिप्रगपगपगभयीभाउंऊभागीहमि॥॥ मद्रम
दस्र इतिमउंठगवतीरभा निमति॥ उरिमपां ० मद्रमवप्रमिह
उति॥ १५१: प्रयाभः॥ विमधउमुमउध्विरे गिरीरभइकठेपुम
भउंउति॥ उंभायासवभायवीरांहीकरः॥ भालिनीतिभाल
भुहीरांमीकरः॥ कलीतिहमरातेरकमवभादिउमुलीवाल॥
उरकीमितिमिहभा॥ विममस्र विठगाह्यमंतिजिउ॥ म

लीं णं द्रं वा गति व ग्री ए मे कः ॥ ७ ॥ ति प छनी ए नि ए उ नि सु म
सु उ म न मः ॥ ८ ॥ म च म इ मा भा तु ए य मा ॥ ९ ॥ म प न य म
मः ॥ १० ॥ छिं छिं द्री सी लीं द्रिं मः ॥ ११ ॥ प उं छु अ य छु प व म व
उ म उ मा ॥ १२ ॥ प्र ति दि न म छे उ म उ ए प र मा प म प रं वि द्वा न सु म म
इ उ व मे ह स ड ल मा ॥ १३ ॥ ए रं उ म उ क द स उं क सु रं कं मे द न पी उं उ स्र ए
न क छ मा ॥ १४ ॥ उ यं म यो गि नी रं वि द्वा ॥ १५ ॥ म उं छु म द्र न यो गि नी मे ध वि ण
य इ ॥ १६ ॥ कौ प क र य प्र क सु उ ॥ १७ ॥ मं र म नि म उ नि व द्वा ॥ १८ ॥ कं म रं
व ग दी ॥ १९ ॥ मा द्वा गी ॥ २० ॥ उ म् ॥ २१ ॥ प क ड ल ॥ २२ ॥ क र ली ॥ २३ ॥ क ली उ म

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

५३	०३	०५	३
५०	०७	०७	५७
०५	७५	०७	०७
०३	००	७०	७०

५३	३०	३०	७७
७	७५	०५	०७
७५	००	०३	७३
७५	०७	७७	००

ऊऊ भगवत गहं लिपिद्व विपि वं ह
 लप्रध गव प्रधमी पभम नैवे हं दिनिः
 प्रएक द्रमुमो क गभन प्रउध
 गिरी भव सापिम पिग भिध द्वा गभगि
 यः केलि केल दलगी उरु उं त्रि उं ल
 श्री उरु म् क व द ह भग विभव ल
 ममि वल विक ए द्वा विक ए द्वा उं भु उं
 कमी क ग ल ए द्वा प्र उि भु द्वा भव ग प

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ भक्तिमयपलमात्रे इच्छुतलपात्रे विष्णुमात्रे
प्रितुवभुक्तमत्र भक्तुमपमकपालकहिनाइ सुलकगव
मत्र गम उत्र पत्र च इत्र यत्र विष्णुपिडा विष्णु उमि मडा वम
योगाप्रितु इष्टा विंमतिरुक्त इमेधा मिष्टा मत्र नम्रदमिष्टव
दसमभिदवीरुद्र इष्टा लभलि कद्रुभादिला मिष्टा पत्रिक्त उष्ट
प्रवेत्तं भक्तुं एपेसा ॥ योगाप्रिष्टे पयाति ॥ मत्र ध्रुविभ्रमाष्टात्र
गिष्टः कभक्तुपिकः ॥ परिष्टः प्रिष्टाष्टात्र कवयवराष्ट्र ॥ ५
मिष्टगिरीमत्र विष्टमष्टात्र इष्टाष्टात्र मिष्टिष्टकः ॥ ॥ ॥

[illegible]

विष्णुः भद्रः विष्णुः सधुः मदिउः॥ अगैपिमदपञ्चउरभारिक
निरुगवउठगवरीरभभगः उउउउः॥ अककुरं अकप
गं अकगपं अकपपं अककुरं यावउ॥ अककुरं अकप
अकगपं अकपपं अककुरं यावउ॥ एवं अकमठिअगैः पुनः अकगप
अदयषः आपंकं आपापं आपगं आपपं एवं आपक
अकगपं आपगं आपपं यावउ॥ अककुरं अगपं अग
गं अगपं॥ अगकुरं अगपं अगगं अगपं अगक
यावउ॥ अककुरं अगपं अगः अककुरं अगपं यावउ कि

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

श्री.
१३

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ प्रथमोऽध्यायः ॥ प्राणान्तरा ॥ एतत्तु
 म उवाच ॥ सुप्रसन्नोऽसौ ॥ इति मन्त्रोऽथ ॥ कथाः सु
 तिस्रोऽपि ॥ तिस्रोऽपि कथाः कथं कुरुतः ॥ अथ मन्त्रः ॥ सु
 तिस्रोऽपि कथाः ॥ अथायः ॥ यद्यप्यसौ सुप्रसन्नोऽसौ ॥
 अथ पञ्चमः ॥ सुप्रसन्नोऽसौ ॥ अथायः ॥ यद्यप्यसौ सुप्रसन्नोऽसौ ॥
 अथ पञ्चमः ॥ सुप्रसन्नोऽसौ ॥ अथायः ॥ यद्यप्यसौ सुप्रसन्नोऽसौ ॥
 अथ पञ्चमः ॥ सुप्रसन्नोऽसौ ॥ अथायः ॥ यद्यप्यसौ सुप्रसन्नोऽसौ ॥
 अथ पञ्चमः ॥ सुप्रसन्नोऽसौ ॥ अथायः ॥ यद्यप्यसौ सुप्रसन्नोऽसौ ॥
 अथ पञ्चमः ॥ सुप्रसन्नोऽसौ ॥ अथायः ॥ यद्यप्यसौ सुप्रसन्नोऽसौ ॥
 अथ पञ्चमः ॥ सुप्रसन्नोऽसौ ॥ अथायः ॥ यद्यप्यसौ सुप्रसन्नोऽसौ ॥

इति पञ्चमः
 अथ पञ्चमः

श्री
 ३३

[illegible]

॥ श्री गुरुदेव नमः ॥ ५० ॥ रघुपुत्राभाद ॥ भावतु निरवतु मभु
यमिवा किंवा रया मउ यात्रं मुं भिदं ॥ ५१ ॥ ॐ तिगयष्टाभिठ
जि व ॥ ५२ ॥ भंमि हिल पड भद्र निमि मभु यभार दज डुडु
भामि गठउर गविउं यभ्र मया पि पूवभा ॥ ५३ ॥ उमं भुं भावतु म
ये मभु यमिवा निरवतु निरुपे मभु किंवा रया मउ यात्रं मुं भिदं
॥ ५४ ॥ यभ्र मिया मभ्र मया पिल पड भद्र निमि मभु यभार दज डुडु
॥ ५५ ॥ भंमि हिल पड भद्र निमि मभु यभार दज डुडु

श्री
१२

ਪੰਜ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ੀ (ਲੇਖਕ ਨਾਂ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ) ਮਾਤਰ

ਓਂ ਕੁੰਡੁ ਮਾਧਗੀ ਨਤੋਰਵਾਸਾ ਲਤਾ ਮਾਧਾਧਿਤਤ ਕੁੰਡੁ ਮੁੰਡੁ ਗਮਿਤ ਮੁੰਡੁ
ਮਾਧਾਪਿ ਮਾਧ ਮਕੁੰਡੁ ਪਿਕ ਮਾਧਾ ਲਤਾ ਪਿਕ ਕੁੰਡੁ ਮਾਧਿਤਤ ਪਾਧ ਮੁੰਡੁ
ਕੁੰਡੁ ਮੁੰਡੁ ਤਮਾ ॥ ਤਮਾ ਮਾਧ ਮਕੁੰਡੁ ਮਾਧ ਮਕੁੰਡੁ ਮਾਧਾ ਕੁੰਡੁ
ਕੁੰਡੁ ਮੁੰਡੁ ਮਾਧਿਤਤ ਮਾਧਿਤਤ ਕੁੰਡੁ ॥ ਤਤਿ ॥ ਕੁੰਡੁ ਮੁੰਡੁ ਮਾਧਾ
ਧੀ ਮੀਨ ਪ੍ਰਮੁਖੀ ਕੁੰਡੁ ਮੁੰਡੁ ਕੁੰਡੁ ਮੁੰਡੁ ਮਾਧਾ ਕੁੰਡੁ ਮੁੰਡੁ ਮਾਧਾ

